# मेहर प्रेम गीतांजली

प्रो. जे.एस. राठौर

# निवेदन

(तृतीय संस्करण)

**'मेहेर प्रेम गीतांजली' का तृतीय संस्करण अध्यात्म पथ के परमात्म प्रेमियों को समर्पित है। इसमें प्रो. जे.एस. राठौर द्वारा रचित कुछ और नए भजन समाविष्ठ किए गए हैं। इस संस्करण के प्रकाशन में श्री अण्णा खण्डाले एवं श्री अनंत खण्डाले के प्रेम सहयोग के लिए मैं अनुग्रह व्यक्त करती हूं।**

**अवतार मेहेर बाबा की जय।**

**विनीत**
**लता राठौर**
**मेहेराबाद**

---

**मेहेर मैनिफेस्टेशन बुक्स, 'मेहेर शान', मेहेराबाद, अहमदनगर , महाराष्ट्र।**
*यह पुस्तिका बिक्री के लिए नहीं है – This booklet is Not for Sale*

---

**मेहेर प्रेम गीतांजली की पीडीएफ़ (PDF) प्रति एवं भजनों की मूल धुनों का संकलन निम्न-वर्णित लिंक अथवा क्यूआर कोड (QR Code) स्कैन करने पर मुफ़्त में उपलब्ध हैं।**

https://www.meherspiritualuniversity.org/resources.html

# भजन गीत अनुक्रमणिका


१. नाच प्रेमी बाबा आए

२. मेरा तेरा छोड़ बाबा बाबा बोल

३. राम नाम घनश्याम नाम

४. आज का सवेरा

५. दिन एक हो या हों हजार

६. मेहेर धुनी की महिमा गाएं

७. ये समाधि है

८. माँ शिरीन माँ

९. इस जनम से पहले

१०. ढोल बजाओ, ढोल बजाओ

११. मेहेर बाबा तेरे दर पर

१२. मन लागत लागत लगे है

१३. हर स्वर मेरा उच्चार करे

१४. ये दुनिया एक सागर है

१५. मन बाबा बाबा बोलना

१६. न कोई तेरा, ना कोई मेरा

१७. एक राम दशरथ घर डोले

१८. मेहेर बाबा बोलो

१९. मन है मेहेर धाम

२०. आंख भर आयी

२१. मान बावरे

२२. नई जिंदगी का नया तरना

२३. चरणों में अपने

२४. मन का इकतारा बोले

२५. हरी परमात्मा अल्लाह

२६. कम नहीं मेरी जिंदगी के लिए

२७. जिंदगी नई तुमने दी हमको

२८. हे मेहेर, हे मेहरा

२९. मेहेरस्ताना

३०. रंग दे चुनरिया

३१. चला ब्रह्मयोगी

३२. मेहेर पंचावतरण संकीर्तन

३३. जाही विधि राखे मेहेर

३४. मुझ निर्बल को राह दिखा प्रभु

३५. मैं प्यार का सागर हूँ

३६. मेहेर कथा

# १. नाच प्रेमी बाबा आए

नाच प्रेमी, नाच प्रेमी बाबा आए हैं,
बाबा आए हैं रे मेहेर बाबा आए हैं।

जुग जुग जनम जनम से जिसकी,
चाह लगी थी मन में,
पुरुष पुरातन, सत्य सनातन,
आया है जीवन में।
द्वेष मिटाकर प्रेम का दरिया
बाबा लाए हैं।

नाच प्रेमी, नाच प्रेमी बाबा आए हैं,
बाबा आए हैं रे मेहेर बाबा आए हैं।

मिटा है जीवन का अंधेरा,
हुआ है अब एक नया सवेरा,
दुख के बादल दूर हो गए,
सुख ने किया बसेरा।
जीवन के हर पल हर क्षण में,
बाबा छाए हैं।

नाच प्रेमी नाच प्रेमी बाबा आए हैं,
बाबा आए हैं रे मेहेर बाबा आए हैं।

# २. मेरा तेरा छोड़, बाबा बाबा बोल

मेरा तेरा छोड़, बाबा बाबा बोल।
बाबा बाबा बोल, बाबा बाबा बोल।
जनम जनम के बाद मिला है,
ये जीवन अनमोल ।
बाबा बाबा बोल, बाबा बाबा बोल ।।
ये दुनिया बाबा का आंगन
मन है मेहेर धाम।
आती जाती सांसे उनकी,
सब उनका वरदान।
मन की आंखें खोल, बाबा बाबा बोल।

बाबा बाबा बोल, बाबा बाबा बोल ।।
घट घट में मेहेर है बसता
ना कोई ऊंचा न कोई नीचा।
प्रेम भाव से गले लगा कर,
अभिनंदन अब कर लो सबका।
प्रेम का अमृत घोल, बाबा बाबा बोल।

बाबा बाबा बोल, बाबा बाबा बोल ।।
मेरा तेरा छोड़ , बाबा बाबा बोल।
बाबा बाबा बोल, बाबा बाबा बोल।

## ३. राम नाम घनश्याम नाम

राम नाम घनश्याम नाम,
प्रभु नाम सुमिर दिन रात,
मेहेर नाम सुमिर दिन रात ।
जनम सफल तू कर ले अपना, मान ले मेरी बात।
मेहेर नाम सुमिर दिन रात ।।

मेहेर मंडली ने जिस पथ पर
किया महा प्रस्थान,
उस पथ पर, चले जो प्राणी,
उसका हो कल्याण,
भूल जा तू अब जग की बातें, भूल ना पर ये बात।

मेहेर नाम सुमिर दिन रात ।।

काम क्रोध, मद, लोभ, छोड़कर
नाम मेहेर का गाले,
मानुष तन जो पाया उसका
सच्चा लाभ उठा ले,
जीवन ये अनमोल तिहारा, पल पल बीतत जात।

मेहेर नाम सुमिर दिन रात ।।
राम नाम घनश्याम नाम,
प्रभु नाम सुमिर दिन रात,
मेहेर नाम सुमिर दिन रात ।।

# ४.आज का सवेरा

आज का सवेरा
मेहेर बाबा ने दिखाया है।
मेहेर की दुनिया का हमने
एक नया दिन पाया है।
आज का सवेरा, आज का सवेरा ।।

खुशबू भरी ये मस्त हवाएं,
मन को महका जाती हैं।
नीली पीली चिड़ियाँ प्यारी,
मंगल गीत सुनाती हैं।
रंग बिरंगी तितली बनकर,
वो हमें चूमने आया है।
आज का सवेरा, आज का सवेरा ।।

मेहेर प्रेम का सूरज देखो,
पूरब में उग आया है।
अंदर बाहर चारों दिशा में,
मेहेर प्रेम जगाया है।
आज रात तक मेहेर जी लो,
वो परम सत्य, सब माया है।
आज का सवेरा, आज का सवेरा ।।

# ५. दिन एक हो या हो हज़ार

दिन एक हो या हो हज़ार,
मेहेर नाम बिना बेकार।

जो बीत गया सो बीत गया,
जो आएगा, आ जायेगा।
बस आज तुम्हारे हाथों है,
जो चाहोगे बन जायेगा।
तुम इस पर करो विचार
मेहेर नाम बिना बेकार।

यह मन है महल हवाओं का,
एक झोंके से उड़ जायेगा।
तब साथ कोई भी नहीं होगा,
दिल अपने से घबराएगा।
मेहेर प्रेम करेगा पार,
मेहेर नाम बिना बेकार।

ये तन है कागज़ की पुड़िया,
पल दो पल में घुल जायेगा।
यह अवसर जनम जनम का है,
जो मांगोगे मिल जायेगा।
मेहेर प्रेम का हो विस्तार,
मेहेर नाम बिना बेकार।

दिन एक हो या हो हज़ार,
मेहेर नाम बिना बेकार।

# ६.मेहर धूनी की महिमा गाएँ

आओ मेहेर प्रेम की ज्वालाओं में,
काम, क्रोध, मद, लोभ जलाएं,
प्रेम भरे हिरदय से हम सब,
मेहेर धूनी की महिमा गाएँ।

सब गुन गुनी, मेहेर की धूनी
गुनी निर्गुनी , मेहेर की धूनी।
त्रिभुवन इसका शक्ति क्षेत्र है,
चेत अचेत यही उनमनी।

मेहेर बाबा, मेहेर बाबा
दुनिया का शहनशाह है,
सबके दिलों का राजा।
सब गुन गुनी, मेहेर की धूनी।

परम ज्ञान की ज्योत जली है,
पूरण समरथ महाबली है।
सब गुन गुनी मेहेर की धूनी
मेहेर नूर की यह मशाल है,
झूठ कपट का महाकाल है।
सब गुन गुनी मेहेर की धूनी
कर्मकांड को इसने जलाया,
मेहेर प्रेम को इस ने जगाया।
सब गुन गुनी, मेहेर की धूनी
सभी मुरादें पूरी करती,
खाली झोली प्यार से भरती।

सब गुन गुनी, मेहेर की धूनी,
गुनी निर्गुनी, मेहेर की धूनी।

# ७. ये समाधि है

ये समाधि है,
प्यार के सागर की।
ये निशानी है,
अवतार मेहेर की।

हर दिल से यह आवाज उठे,
धरती अंबर तक गूंज उठे,
उसकी मस्ती में झूम उठे,
अवतार मेहेर बाबा ,
अवतार मेहेर बाबा।
यह समाधि है, प्यार के सागर की,
ये कहानी है, अवतार मेहेर की।

पूरब पश्चिम को थाम लो,
अब हाथ में प्रेम का जाम लो,
हर पल तुम उसका नाम लो,
अवतार मेहेर बाबा
अवतार मेहेर बाबा ।

यह समाधि है, प्यार के सागर की
यह निशानी है, अवतार मेहेर की।

# ८. माँ शीरीन माँ

माँ शीरीन माँ , माँ शीरीन माँ ।
तूने ऐसा मेहेरबा दिया,
जिसने पागल सबको किया,
माँ शीरीन माँ , माँ शीरीन माँ।

चोर बना चित चोर सभी का,
प्रेम में सबको डुबाया मैया,
लेकर सबके दुख अपने पर,
सबको दुख से बचाया, मैया,
दिल में बिठाया,
गले से लगाया,
पागल सबको किया।
तूने ऐसा मेहेरबा दिया।

दर पे मेहेर के आए हम,
छोड़ के सारे गम, मैया।
तन का, मन का, जग जीवन का,
सब कुछ है अर्पण, मैया।
दिल में बिठाया,
गले से लगाया,
पागल सबको किया।
तूने ऐसा मेहेरबा दिया,
जिसने पागल सबको किया।
माँ शीरीन माँ, माँ शीरीन माँ ।

# ६. इस से जनम पहले

इस जनम से पहले
कई जनम से पहले।
खो गया था मेहेर,
मेरे पास से।

(२)
एक अंधेरी रात में,
रंग दिखे दूर पर,
चल दिया मैं उस तरफ,
मेहेर को छोड़ कर।
इस जनम से पहले,
कई जनम से पहले।

(४)
तन में रम गया है,
मन में बस गया है,
उसकी रोशनी से,
जगमग ये दिल हुआ है।
पा लिया है सब कुछ,
मेहेर नाम से।

(१)
तन में वो रमा था,
मन में वो बसा था,
मैं नहीं था कोई,
वो ही वो ही था |

(३)
रुकती रुकती सांसे थी,
डगमगाते थे कदम,
याद आ रहा था मेहेर,
जिंदगी की शाम में।
इस जनम से पहले,
कई जनम से पहले।

इस जनम से पहले
कई जनम से पहले।
खो गया था मेहेर,
मेरे पास से।

# १०. ढोल बजाओ, ढोल बजाओ

ढोल बजाओ, ढोल बजाओ,
मेहेर गाओ, मेहेर गाओ।
बाहर फेंक दो सब कुछ अपना,
पूरे खाली हो जाओ।
ढोल बजाओ, ढोल बजाओ।
मेहेर गाओ, मेहेर गाओ।

रूप रंग का यह जग सारा,
ना मेरा है ना है तुम्हारा,
राम कृष्ण मेहेर का घर ये,
इसको खूब सजाओ।
ढोल बजाओ, ढोल बजाओ।
मेहेर गाओ, मेहेर गाओ।

जो तन मन मेहेर से भरा है,
उसमें मस्ती उसमें मजा है,
चिंताओं को आज छोड़ दो,
अंदर से खुश हो जाओ।
ढोल बजाओ, ढोल बजाओ।
मेहेर गाओ, मेहेर गाओ।

# ११. मेहेर बाबा तेरे दर पर

मेहेर बाबा तेरे दर पर,
फरियादी आज आए।
फैला के दिल की झोली,
तेरा प्यार लेने आए।

दुनिया से हमको अब कुछ,
लेना नहीं है देना,
तेरे दर पे प्यारे मेहेर,
सब कुछ लुटाने आए।

चारों तरफ ही तेरा,
जलवा झलक रहा है,
तेरे दर पे प्यारे मेहेर,
हम सर झुकाने आए।

हर शह यहां की सच में,
तेरे नूर से बनी है।
तेरे दर पे प्यारे मेहेर,
खुद को जलाने आए।

तू है प्यार का वो दरिया,
आंसू जहां से निकले।
तेरे दर पे प्यारे मेहेर,
हम प्यास बुझाने आए।

मेहेर बाबा तेरे दर पर,
फरियादी आज आए।

# १२. मन लागत लागत लागे

बन्धु रे, बोले बाबा एक दिन,
बोले बाबा एक दिन।

मन लागत लागत लागे,
बहुत दिनन का सोया मनवा,
जागत जागत जागे,
मन लागत लागत लागे।

नाम रूप का ये जग सारा,
माया का कितना विस्तारा,
संस्कारों की भारी गठरी,
छूटत छूटत छूटे।
मन लागत लागत लागे।

जनम जनम का है ये फेरा,
चिंताओं ने तुझको घेरा,
मेहेर प्रेम सुधा सागर में,
डूबत डूबत डूबे।
मन लागत लागत लागे।

# १३. हर स्वर मेरा उच्चार करे

हर स्वर मेरा उच्चार करे,
हर सांस मम झंकार भरे,
मेरा रोम रोम पुकार करे,
मैं तेरा बाबा मैं तेरा।

मन मृदंग के हर तालों में,
हृत तंत्री के हर तारों में,
धुन यही एक गुंजार करे,
मैं तेरा बाबा मैं तेरा।

आवेदन चरणों में मेरा,
टूटे बाबा सीमा का घेरा,
हृत कुंज में कोकिल कूक भरे,
मैं तेरा बाबा मैं तेरा।

हर स्वर मेरा उच्चार करे,
हर सांस मम झंकार भरे।

# १४. ये दुनिया एक सागर है

ये दुनिया एक सागर है,
यह जीवन है एक नैय्या,
तूफानों से क्या डरना,
जब तेरा मेहेर खिवैय्या।

जीवन के इस महासमर में,
चला तो सुख की आशा में,
भटका किया जगत में फिर भी,
घिरा तू घोर निराशा में।

अब भी खोल ले मन मंदिर तू
देख ले मेहेर भैया,
तूफानों से क्या डरना,
जब तेरा मेहेर खिवैय्या।

राजा बन कर भी रोया तू
फकीर बन कर भी रोया,
मन का धीरज गवां के तूने,
अपना सब कुछ ही खोया।

अब भी खोल ले मन मंदिर तू
देख ले मेहेर भैया,
तूफानों से क्या डरना,
जब तेरा मेहेर खिवैय्या।

# १५. मन बाबा बाबा बोलना

मन बाबा बाबा बोलना,
मन बाबा बाबा बोलना।

ये दुनिया है रैन बसेरा,
ना कोई तेरा ना कोई मेरा,
बाबा से नाता जोड़ना,
मन बाबा बाबा बोलना।

ये दुनिया सपनों का घेरा,
आस निरास का है यह फेरा,
बाबा से नाता जोड़ना,
मन बाबा बाबा बोलना ।

जीवन के हर पल हर क्षण में,
मेहेर प्रेम रस घोलना,
मन बाबा बाबा बोलना।

मन बाबा बाबा बोलना,
मन बाबा बाबा बोलना।

# १६. ना कोई तेरा ना कोई मेरा

ना कोई तेरा ना कोई मेरा,
दुनिया रैन बसेरा,
भज मेहर नाम, मेहर नाम, मेहर नाम।

कहां गए तेरे अपने,
कहां गए तेरे सपने,
मिले धूल में सारे,
महल बनाए जितने।

हर बगिया के चारों तरफ है,
लगा आग का घेरा।
भज मेहर नाम, मेहर नाम, मेहर नाम।

कितने पंडित ज्ञानी,
मौला और विज्ञानी,
मिले खाक में सारे,
दुनिया आनी जानी।

हर रस्ते के पार पड़ा है,
महाकाल का डेरा।
भज मेहर नाम, मेहर नाम, मेहर नाम।

ना कोई तेरा ना कोई मेरा,
दुनिया रैन बसेरा,
भज मेहर नाम, मेहर नाम, मेहर नाम।

# १७. एक राम दशरथ घर डोले

एक राम दशरथ घर डोले,
एक राम घट घट में बोले।
एक राम का सकल पसारा,
एक राम त्रिभुवन से न्यारा।
अवतार मेहेर अवतार,
इस पार भी उस पार।
ज्योतिर्मय वो पुरुष पुरातन,
है सबका आधार।
ह्रदय गुहा में वो ही बैठा,
चांद सितारों में वो चमका,
चिड़ियों की कलरव में गूंजा,
फूलों में वो महका।
अवतार मेहेर अवतार,
इस पार भी उस पार।
प्यार का सागर, सबका प्रियतम,
सकल चराचर, में वो अनुपम,
नित चेतन वो, सत चित आनंद,
ज्योति का आगार।
अवतार मेहेर अवतार,
इस पार भी उस पार।
ज्योतिर्मय वो पुरुष पुरातन,
है सबका आधार।

# १८. मेहेर बाबा बोलो

मेहेर बाबा बोलो,
मेहेर बाबा बोलो।
बाबा बाबा बोलो,
मेहेर बाबा बोलो।

मन के सारे बंधन तोड़ो,
द्वार हृदय का खोलो।
मेहेर बाबा बोलो,
मेहेर बाबा बोलो।

दुनिया के सब नाते रिश्ते,
मेहेर प्रेम से तोलो।
मेहेर बाबा बोलो,
मेहेर बाबा बोलो।

चलते फिरते सोते जगते,
मेहेर नाम को बोलो।
मेहेर बाबा बोलो,
मेहेर बाबा बोलो।

# १६. मन है मेहेर धाम

तन एक मंदिर है, मन है मेहेर धाम,
चलना फिरना, सोना जगना,
सब बाबा के काम।

फूल भी उसका, कांटा उसका,
सुख भी उसका, दुख भी उसका,
प्यारी सुबह की धूप वही है,
वो ही झिलमिल शाम।

तन एक मंदिर है, मन है मेहेर धाम,
चलना फिरना, सोना जगना,
सब बाबा के काम।

जगमग जगमग ये सब दुनिया,
जादू नगरी है सपनों की,
मेहेर प्रेम का सागर ये है,
ये माया ये राम।

तन एक मंदिर है, मन है मेहेर धाम,
चलना फिरना, सोना जगना,
सब बाबा के काम।

# २०. आंख भर आयी

आंख भर आई, तेरी याद में रोना आया,
तू कहां खो गया कुछ भी समझ नहीं आया।

बनके बादल तूने प्यार की बरखा की थी,
मैं तो तंग दिल था, कुछ भी नहीं मैं भर पाया।
आंख भर आई, तेरी याद में रोना आया।

अब तो अपने नाम का दामन मुझे दे दे,
टूट जाएगा भरम जिसने इतना भरमाया।
आंख भर आई तेरी याद में रोना आया।

हर जगह हर समय, मेहेर तू है,
सिर झुकाया जहां, वहीं तेरा दर्शन पाया।
आंख भर आई, तेरी याद में रोना आया।

-❖-

# २१. मान बावरे

मन बावरे मेहर चरण चित लाना,
छाया माया की इस दुनिया में,
नहीं कोई ठौर ठिकाना।
मन बावरे मेहर चरण चित लाना।

शब्दों का सब मोह जाल है,
जित  देखो उत महाकाल है।
जहां जहां मन पंछी जाए,
वहीं मेहर को पाना।
मन बावरे मेहर चरण चित लाना।

इच्छाओं का मोहपाश है,
पता नहीं किसकी तलाश है।
भटकन सारी छोड के अब तो,
मेहर शरण में जाना।
मन बावरे मेहर चरण चित लाना।

# २२. नई जिंदगी का नया तराना

नई जिंदगी का, नया है तराना,
सभी को भुला कर मेहेर को है पाना।

ना कभी शुरू थी, ना कभी खतम है,
चेतन सनातन, हाज़िर हर दम है,
छोड़कर के पीछे, सब कुछ पुराना,
सभी को भुला कर मेहेर को है पाना।

ना दोज़क ना जन्नत, ना भुवनों की चाहत,
हमें चाहिए बस, मेहेर की मोहब्बत,
मेहेर प्रेम सागर में, हमें डूब जाना,
सभी को भुला कर, मेहेर को है पाना।

ना आगे है कुछ भी, ना पीछे बचा है,
जब भी मिला वो, दिलों में मिला है,
मेहेर के चरण में, हमारा ठिकाना,
सभी को भुला कर, मेहेर को है पाना।

ये जिंदगी मेहेर है, मेहेर जिंदगी है,
हर दम हमारी, यही बंदगी है
हर पल हर दिन, मेहेर गीत गाना,
सभी को भुला कर, मेहेर को है पाना।

रास्ता यही है, मंजिल यही है,
ये हमारी दुनिया, सब कुछ यहीं है,
शाश्वत जीवन ये, मेहेर का खजाना,
सभी को भुला कर मेहेर को है पाना।

# २३. चरणों में अपने

चरणों में अपने, जगह हमें दी,
प्यार तुम्हारा मेहेर है।
शरण में अपनी, हमको लिया है,
प्यार तुम्हारा मेहेर है।

लीला भूमि, ये है तुम्हारी,
कण कण में है, प्यार भरा,
इसकी धूल को, सर से लगाया
प्यार तुम्हारा, मेहेर है।

जनम जनम की भटकन छूटी,
साथ तुम्हारा हमको मिला,
हाथ पकड़ कर गले से लगाया,
प्यार तुम्हारा मेहेर है।

अंधियारों से घिरा था जीवन,
रोशन तुमने आज किया,
पल पल अपनी खुशी में डुबाया,
प्यार तुम्हारा मेहेर है।

मेहेर को तुम सौंप दो खुद को,
तब मेहेर की मेहेर है,
खुदी को मिटा कर, खुदी को दिखाया,
प्यार तुम्हारा मेहेर है।

# २४. मन का इकतारा बोले

मन का इकतारा बोले,
बाबा बाबा बाबा।
तन का इकतारा बोले,
बाबा बाबा बाबा।

चंदा बोले सूरज बोले,
आसमान का तारा बोले,
बाबा बाबा बाबा।

आती जाती सांसे बोलें,
नयनों की जलधारा बोले,
बाबा बाबा बाबा।

बाहर की सब दुनिया बोले,
अंदर का ये पसारा बोले,
बाबा बाबा बाबा।

सदगुरु  बोले, मस्त बोले,
वली पीर और सालिक बोले,
बाबा बाबा बाबा।

# २५. हरी परमात्मा अल्लाह

हरि, परमात्मा, अल्लाह,
अहूरमज्द, गॉड, यजदान, हू।

हवा में, आग पानी में,
ज़मी पर, आसमां में तू,
हमीं में तू, सभी में तू,
तू ही बस तू, तू ही बस तू।

तू ही अवतार, पैगंबर,
ब्रह्म निर्गुण परात्पर तू,
सगुण साकार नारायण,
जगत का आदि कारण तू।

मेहेर बाबा मेहेर बाबा,
मेहेर बाबा मेहेर बाबा,
मेहेर बाबा मेहेर बाबा,
मेहेर बाबा मेहेर बाबा।

# २६. कम नहीं मेरी ज़िंदगी के लिए

कम नहीं मेरी ज़िंदगी के लिए,
बाबा मिल जाएं दो घड़ी के लिए।

कितने सामान कर लिए पैदा,
इतनी छोटी सी ज़िंदगी के लिए।
बाबा मिल जाएं दो घड़ी के लिए।
कम नहीं मेरी ज़िंदगी के लिए।

ऐ मेरे यार जब मेहेर है तेरा,
क्यों भटकता है तू किसी के लिए।
बाबा मिल जाएं दो घड़ी के लिए।
कम नहीं मेरी जिंदगी के लिए।

आज आए हैं कल चले जाना है,
वक्त बस इतना है मेहेर के लिए।
बाबा मिल जाएं दो घड़ी के लिए।
कम नहीं मेरी जिंदगी के लिए।

# २७. जिंदगी नई तुमने दी हमको

जिंदगी नई तुमने दी हमको,
प्यार की बूंद भी मिली हमको।
तेरी यादों में दिल धड़कता है,
तेरी चाहत में दिल तड़पता है,

बस एक मुलाकात तो बाकी है मेहेर,
प्यार की बात तो बाकी है मेहेर ।

किस को छू लें यहां तो कुछ भी नहीं,
किसको चाहें यहां तो कुछ भी नहीं,
तेरी दुनिया तो एक सपना है,
यहां कुछ भी नहीं तो अपना है।

बस एक मुलाकात तो बाकी है मेहेर,
प्यार की बात तो बाकी है मेहेर ।

मैं तन हूं या मन पता ही नहीं,
आज हूं या कल पता ही नहीं,
कितनी चाहतों का जलजला हूं मैं,
तेरी लहरों का बुलबुला हूं मैं।

बस एक मुलाकात तो बाकी है मेहेर,
प्यार की बात तो बाकी है मेहेर ।

# २८. हे मेहेर हे मेहरा

हे मेहेर, हे मेहरा,
मेरे मन मंदिर आ जाओ।
तुम आ जाओ, मेहेर आ जाओ,
तुम आ जाओ मेहरा आ जाओ,
हे मेहेर हे मेहरा,
मेरे मन मंदिर आ जाओ।

तुम चित्त, वो चितशक्ति,
मैं मायाजाल ग्रसित गोपी,
युग से भटके हैं हम सब,
अब आकर मिलन कराओ।

हे मेहेर, हे मेहरा,
मेरे मन मंदिर आ जाओ।

मेहराबाद मेहराजाद की क्रीड़ाएं,
आनंद भरी वो लीलाएं,
ये रूप तुम्हारा सुंदर सा,
अब आकर हमें दिखाओ।

हे मेहेर, हे मेहरा,
मेरे मन मंदिर आ जाओ।

# २६. मेहरेस्ताना

मेहरेस्ताना, मेहरेस्ताना,

बाबा का शक्ति खजाना,

मेहरेस्ताना।

बाबा की कुटिया,

बाबा की बगिया,

बाबा का प्रेम ठिकाना,

मेहरेस्ताना।

बाबा को जीना,

बाबा को पीना,

बाबा में मिल जाना,

मेहरेस्ताना।

अवतार मेहेर बाबा की जय।

अवतार मेहर बाबा की जय।

# ३०. रंग दे चुनरिया

मेहेर पिया मोरी रंग दे चुनरिया
रंग दे चुनरिया मोरी, रंग दे चुनरिया,
मेहर पिया मोरी रंग दे चुनरिया।

प्रेम सुधा के सात रंगों से,
मन हिरदय को भर दे पिया,
अपने रंग में रंग दे पिया।

जैसी चुनरी मीरा की रंग दी,
रंग दी दास कबीरा की,
वैसी चुनरी मेरी भी रंग दे,
मन हिरदय को भर दे पिया।

जैसी चुनरी मेहरा की रंग दी,
रंग दी दास अलोबा की,
वैसी चुनरी मेरी भी रंग दे,
अपने रंग में रंग दे पिया।

जैसी चुनरी मनीजा की रंग दी,
रंग दी दास एरच की,
वैसी चुनरी मेरी भी रंग दे,
मन हिरदय को भर दे पिया।

जैसी चुनरी एलिजा की रंग दी,
रंग दी भाऊ प्यारे की,
वैसी चुनरी मेरी भी रंग दे,
अपने रंग में रंग दे पिया।

# ३१. चला ब्रह्मयोगी

चला ब्रह्मयोगी अकेला, अकेला
चला ब्रह्मयोगी।

तोड़ जगत की सीमाओं को,
खोज में निकला उसकी।
धरती सागर और अंबर तक,
चमके ज्योति जिसकी।
चला ब्रह्मयोगी।

धर्म अर्थ और काम सभी को
कह बैठा वह सपने।
परम सत्य मेहर के आश्रित,
लगा विश्व शिशु दिखने।
चला ब्रह्मयोगी।

माया के उस पार लगा है,
सत चित आनंद मेला।
प्रेम डागरिया इतनी सकरी,
जाना वहां है अकेला।
रहा ब्रह्मयोगी अकेला, अकेला।

चला ब्रह्मयोगी अकेला, अकेला
चला ब्रह्मयोगी।

# ३२. मेहेर पंचावतरण संकीर्तन

मेहेर, मेहेर, मेहेर, मेहेर
सकल चराचर मेहेर, मेहेर ।
मेहेर एकम जग आधारा,
अलख निरंजन सबसे न्यारा।
मेहेर, मेहेर, मेहेर, मेहेर
सकल चराचर मेहेर, मेहेर ।
दूजा मेहेर है जगदीश,
ब्रह्मा, विष्णु और महेश।
मेहेर, मेहेर, मेहेर, मेहेर
सकल चराचर मेहेर, मेहेर ।
तीजा मेहेर है अवतारा,
मनुज रूप में प्रियतम प्यारा।
मेहेर, मेहेर, मेहेर, मेहेर
सकल चराचर मेहेर, मेहेर ।
चौथा मेहेर प्रभु अविनाशी,
मन मंदिर घट घट का वासी।
मेहेर, मेहेर, मेहेर, मेहेर
सकल चराचर मेहेर मेहेर ।
मेहेर पंचम भावना रूपा,
मंदिर, मस्जिद, गिरजा, स्तूपा।
मेहेर, मेहेर, मेहेर, मेहेर
सकल चराचर मेहेर, मेहेर ।

# ३३. जाहि विधि राखे मेहेर

मेहेर बाबा मेहेर बाबा मेहेर बाबा कहिए,
जाहि विधि राखे मेहेर ताहि विधि रहिए।।

जो आता है उसका दिया है,
जो जाता है उसका लिया है,
सब में वो है, सब कुछ वो है,
बाबा बाबा कहिए,
जाहि विधि राखे मेहेर, ताहि विधि रहिए ।।

गीतों का तो गीत वही है,
मीतों का तो मीत वही है,
प्रेमी जनों की प्रीत वही है,
बाबा बाबा कहिए,
जाहि विधि राखे मेहेर , ताहि विधि रहिए ।।

सुख दुख उसकी महत् कृपा है,
हर घटना में वो ही छिपा है,
वो ही माता और पिता है,
बाबा बाबा कहिए,
जाहि विधि राखे मेहेर, ताहि विधि रहिए ।।

# ३४. मुझ निर्बल को राह दिखा प्रभु

मुझ निर्बल को राह दिखा प्रभु ,
पग पग ठोकर खाऊं मैं।

चहुं ओर है, घोर अंधेरा,
छूट न जाए, साथ तेरा।
अबकी बार बाबा हाथ पकड़ लो,
भवसागर तर जाऊं मैं।

मुझ निर्बल को राह दिखा प्रभु ,
पग पग ठोकर खाऊं मैं।

पंथ हैं कितने, राहें कितनी,
कुछ भी समझ नहीं आता है।
चाहे जितना कस कर पकड़ो,
सब कुछ छूट ही जाता है।

मुझ निर्बल को राह दिखा प्रभु ,
पग पग ठोकर खाऊं मैं।

# ३५. मैं प्यार का सागर हूँ

मैं प्यार का सागर हूँ , मैं प्यार का सागर हूँ।
सबके अंदर सबके बाहर,
आनंद निरंतर हूँ।
मैं प्यार का सागर हूँ , मैं प्यार का सागर हूँ ॥

सूरज चमके मेरी ज्योत से, तारे जगमगाए,
सकल विश्व के कण-कण मेरे, नाम के गीत ही गाएं।
मैं प्यार का सागर हूँ , मैं प्यार का सागर हूँ।

ममता भरी आंख के आंसू , प्रियतम का आलिंगन हूं ,
भोले प्यारे शिशु चेहरों पर, प्रेम भरा मैं चुम्बन हूँ।
मैं प्यार का सागर हूँ , मैं प्यार का सागर हूँ ॥

कभी राम बनकर मैं आया, कभी कृष्ण बन आता हूँ ,
कभी तथागत गौतम बनकर, प्रेम के गीत सुनाता हूँ।
मैं प्यार का सागर हूँ , मैं प्यार का सागर हूँ ॥

कभी बना ईसू मसीह मैं, खुद सूली चढ़ जाता हूँ ,
कभी मोहम्मद बनकर मैं, सच की राह दिखाता हूँ।
मैं प्यार का सागर हूँ , मैं प्यार का सागर हूँ ॥

अब की बार मेहेर बन आया, नवजीवन मैं देता हूँ,
मोह निशा में खोए मनों को, अंदर से मैं जगाता हूँ।

मैं प्यार का सागर हूँ , मैं प्यार का सागर हूँ
सबके अंदर सबके बाहर, आनंद निरंतर हूँ।
मैं प्यार का सागर हूँ , मैं प्यार का सागर हूँ ॥

# ३६. मेहेर कथा

एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं,
युग अवतार मेहेर बाबा की कथा सुनाते हैं,
एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं।
बाबा मेहेर बाबा बाबा मेहेर बाबा।

जब-जब धरती पर यह जीवन,
स्वारथ से बट जाता है,
काम, क्रोध, मद, लोभ निशा में,
सत्य प्रेम छुप जाता है।
सत्य प्रेम छुप जाता है।।

बाबा मेहेर बाबा, बाबा मेहेर बाबा।
एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं।
युग अवतार मेहेर बाबा की कथा सुनाते हैं।

पांच सतगुरु परम प्रभु से,
अवतरण प्रार्थना करते हैं,
सत चित आनंद परम चेतना,
जग लोकार्पित करते हैं।
जग लोकार्पित करते हैं।।

बाबा मेहेर बाबा, बाबा मेहेर बाबा।
एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं,
युग अवतार मेहेर बाबा की कथा सुनाते हैं।

अगला प्रष्ठ

दया का सागर, पुरुष पुरातन,
तब मनुज रूप में आता है,
प्यार भरा जीवन जी कर वो,
दिव्य मार्ग दिखलाता है,
दिव्य मार्ग दिखलाता है।

बाबा मेहेर बाबा, बाबा मेहेर बाबा।

एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं,
पुरुष पुरातन मेहेर प्रभु की कथा सुनाते हैं।

सन अठरासौ चौरानवे में,
मेरवान ने जन्म लिया।
माँ शिरीन पिता शहरयार के,
घर प्रभु का अवतरण हुआ।
घर प्रभु का अवतरण हुआ।

बाबा मेहेर बाबा, बाबा मेहेर बाबा।

एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं,
प्यार के सागर मेहेर प्रभु की कथा सुनाते हैं।

प्यार से सदगुरु बाबाजान ने
मेहेर मस्तक चूम लिया।
हट गया पर्दा निज स्वरूप से,
सत चित आनंद ज्ञान हुआ।
सत चित आनंद ज्ञान हुआ।

बाबा मेहेर बाबा, बाबा मेहेर बाबा।
एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं,
सदगुरुओं के प्रिय मेहेर की, कथा सुनाते हैं।

नारायण और ताज बाबा ने,
मेहेर का अभिनंदन किया,
परम सदगुरु सांई बाबा ने
परवरदिगार कह वंदन किया,
परवरदिगार कह वंदन किया।

बाबा मेहेर बाबा, बाबा मेहेर बाबा।
एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं,
युग अवतार मेहेर बाबा की, कथा सुनाते हैं।

उपासनी सदगुरु ने पत्थर,
मेहेर मस्तक पर मारा,
सत चित आनंद परम चेतना,
को धरती पर अवतरा,
इस धरती पर अवतारा।

बाबा मेहेर बाबा, बाबा मेहेर बाबा।
एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं,
भवभय त्राता मेहेर प्रभु की, कथा सुनाते हैं।

एक गीत सुनाते हैं, संगीत सुनाते हैं।

*Meher Prem Geetanjali by Prof. J.S. Rathore*
*2025 Reprint – PDF Version best viewed in Adobe Acrobat Reader app (for android and apple) with view setting in Single Page Mode or on iPhone or iPad using the Apple Books app available free from the Apple app store.*